भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **1920** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 6 दिसंबर, 2024/15 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

राष्ट्रीय जलमार्ग परियोजना

† 1920. श्री विशालदादा प्रकाशबापू पाटील :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययनों के आधार पर 26 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (एनडब्ल्यू) के विकास की स्थिति क्या है और वास्तविक तथा वित्तीय लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है और इन लक्ष्यों को किस सीमा तक प्राप्त कर लिया गया है;

(ख) क्या सरकार ने प्रतिकूल मौसम के दौरान अलग-अलग और सीमित गहराइयों की चुनौतियों, जिनके कारण अंतर्देशीय जल परिवहन के लिए निर्धारित नदी तटों को क्षरण हो सकता है अथवा अत्यधिक गाद जमा हो सकती है, का समाधान करने के लिए एक कार्यबल का गठन किया है;

(ग) यदि हां, तो इस कार्यबल और इसके उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) विभिन्न राष्ट्रीय जलमार्गों पर आरंभ की गई रो-रो/ रो- पैक्स सेवाओं का इन जलमार्गों के यातायात में वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ङ) क्या इस संबंध में कोई प्रभाव आकलन किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो ऐसा आकलन नहीं किए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): दिनांक 31.10.2024 तक हासिल प्रगति के साथ 26 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) के विकास की स्थिति **अनुबंध** पर है।

(ख) और (ग): प्रतिकूल समय के दौरान अलग-अलग और सीमित गहराइयों की चुनौतियों का समाधान करने हेतु भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) राष्ट्रीय जलमार्गों में ड्रेजिंग और नदी संरक्षण कार्यों के माध्यम से फेयरवे का रखरखाव करता है।

(घ) और (ङ): रो-रो/रो-पैक्स जलयानों की तैनाती यात्रियों द्वारा जलमार्गों पर यात्रा करते समय उनकी सुरक्षित और आराम दायक आवाजाही सुनिश्चित करती है और साथ ही उनके यात्रा समय को भी कम करती है। यह मल्टीमोडल हैंडलिंग को सुगम करता है और साथ ही निर्बाध अंतिम मील संपर्कता प्रदान करता है। रो-रो/रो-पैक्स सेवा परिवहन के स्वच्छ और हरित साधन के साथ सड़क पर भीड़-भाड़ को कम करती है। इसके साथ ही, पूरे देश में राष्ट्रीय जलमार्गो में प्रचालन हेतु विभिन्न राज्य सरकारों को रो-रो/रो-पैक्स जलयान भी सौंपे गए हैं। राष्ट्रीय जलमार्गों पर इन सेवाओं की शुरुआत करने से जलमार्गों पर यातायात में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष के दौरान राष्ट्रीय जलमार्गों पर उत्तर प्रदेश में 40,201 पर्यटकों/यात्रियों, असम में 1,59,732 यात्रियों और 24,820 एमटी कार्गो तथा केरल में 34,081 ट्वेंटी इक्वीवैलेंट यूनिट्स (टीईयू) को ले जाया गया।

अनुबंध

दिनांक 31.10.2024 तक हुई प्रगति के साथ 26 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) के विकास की स्थिति:

क्र. सं.	रा.ज.	जलमार्गों का विवरण	स्थिति
1	रा.ज. 1	गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली (हल्दिया-इलाहाबाद)	जलमार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी)। इसके प्रमुख घटक हैं - वाराणसी, साहिबगंज और हल्दिया में मल्टी-मोडल टर्मिनल, फरक्का में नए नौचालन लॉक का निर्माण, फरक्का में पुराने लॉक गेट का आधुनिकीकरण, कालूघाट इंटरमोडल टर्मिनल और फेयरवे विकास वास्तविक प्रगति - 61.79% वित्तीय प्रगति - 61.57%
2	रा.ज. 2	ब्रह्मपुत्र नदी (धुबरी - सदिया)	राष्ट्रीय जलमार्ग-2 का व्यापक विकास। इसके प्रमुख घटक हैं - बोगीबील कार्गो टर्मिनल का निर्माण, जोगीघोपा में टर्मिनल का निर्माण, पांडु पत्तन टर्मिनल से रा.ज.-27 तक पहुंच मार्ग का विकास तथा पांडु, गुवाहाटी (असम) में पोत मरम्मत सुविधा का विकास और फेयरवे विकास। वास्तविक प्रगति– 71.23% वित्तीय प्रगति - 71.23%
3	रा.ज. 16	बराक नदी (लखीपुर-तुकर ग्राम)	रा.ज.-16 और भारत बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (आईबीपी) का व्यापक विकास प्रमुख घटक हैं - गुमती नदी पर सोनामुरा में टर्मिनल का निर्माण, बदरपुर और करीमगंज टर्मिनलों का उन्नयन, सिलचर में चारदीवारी सहित कार्यालय भवन और आवासीय परिसर का निर्माण, तथा एक एम्फीबियन (जल और थल) ड्रेजर और सर्वेक्षण जलयान की खरीद और फेयरवे विकास। वास्तविक प्रगति – 16.39% वित्तीय प्रगति - 16.39%
4	रा. ज. 3	पश्चिमी तट नहर (कोट्टापुरम - कोल्लम) चंपकारा और उद्योगमंडल नहरें	

5	रा. ज. 4	कृष्णा नदी (विजयवाड़ा – मुक्त्याला)	
6	रा. ज. 5	मंगलागढ़ी से पंकोपल होते हुए धामरा-पारादीप	
7	रा. ज. 8	अलाप्पुझा-चंगनास्सेरी नहर	
8	रा. ज. 9	अलाप्पुझा - कोट्टायम - अथिरामपुझा नहर	
9	रा. ज. 27	कंबरजुआ नदी (कोर्टालिम-फेरी से साओ मार्टियास विधान परिषद)	
10	रा.ज. 68	मंडोवी नदी (उसगांव पुल से अरब सागर तक)	
11	रा.ज. 111	जुआरी नदी (सानवोर्डेन पुल से मुरगांव पत्तन तक)	
12	रा.ज. 86	रूपनारायण नदी (प्रतापपुर से जियोनखली)	
14	रा.ज. 97	सुंदरबन जलमार्ग (नामखाना से अथराबांकीखल)	
14	रा. ज. 40	घाघरा नदी (फैजाबाद से मांझीघाट)	
15	रा.ज. 52	काली नदी (कोडासल्ली बांध से सदाशिवगढ़ पुल, अरब सागर)	पोत परिवहन और नौचालन के उद्देश्य से 23 राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.-3, रा.ज.-4, रा.ज.-5 और 16 नए रा.ज. को मिलाकर) का विकास। इसके प्रमुख घटक हैं - फेयरवे विकास, टर्मिनल विकास और संबद्ध अवसंरचना, जलीय सर्वेक्षण, चार्टिंग और आरआईएस आदि। वास्तविक प्रगति – 47.84% वित्तीय प्रगति – 47.56%
16	रा. ज. 44	इचामती नदी (बांग्लादेश सीमा के पास गोबरा से बांसझारी तक पुल)	
17	रा. ज. 57	कोपिली नदी (बंथाईगांव तिनाली बस स्टॉप से चंद्रपुर नंबर 2 ब्रह्मपुत्र संगम तक)	
18	रा. ज. 31	धनसिरी नदी (मोरोंगी टी.ई. गांव पुल से नुमालीगढ़)	
19	रा. ज. 10	अम्बा नदी (अरब सागर, धरमतार क्रीक से नागोथाने एसटी स्टैंड तक)	
20	रा. ज. 28	दाभोल क्रीक वशिष्ठी नदी (दाभोल में अरब सागर से पेढ़े में पुल तक)	
21	रा.ज. 73	नर्मदा नदी (पंढरिया से खंभात की खाड़ी तक)	
22	रा.ज. 100	तापी नदी (हतनूर बांध से खंभात की खाड़ी तक)	
23	रा. ज. 37	गंडक नदी (भैसालोटल बराज से हाजीपुर)	
24	रा. ज. 25	चापोरा नदी (मनेरी गांव के पास ब्रिज से मोरजिम, अरब सागर तक पुल)	2030 तक विकास के लिए अधिकांशतः प्रचालनरत जलमार्ग।
25	रा.ज. 85	रेवदंडा क्रीक - कुंडलिका नदी प्रणाली (रेवदंडा में अरब सागर से रोहा नगर के पास पुल तक)	
26	रा.ज. 94	सोन नदी (सोन बैराज, डेहरी से गंगा संगम तक)	

*****